मंगलवार
22 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

प्याज खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

पृष्ठ 5

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी धनुष और मालविका की फिल्म मारन

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 29
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

प्रकृति अपरिमित ज्ञान का भंडार है, परंतु उससे लाभ उठाने के लिए अनुभव आवश्यक है।
– हरिऔध

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हादसों का दिनः विभिन्न हादसों में 26 मरे

संवाददाता

देहरादून। आज का दिन हादसों के लिहाज से पहाड़ के लिए भारी रहा। विभिन्न हादसों में 26 लोगों की जान चली गई वही दर्जन भर से अधिक लोग घायल हो गए जो अब अस्पतालों में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं।

उत्तराखंड के चंपावत जनपद में एक

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट 7 मरे

ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना में आज एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में 7 लोगों की मौत हो गई तथा 10 लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं जिन्हें ऊना अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। आज सुबह हुए इस विस्फोट के धमाकों से पूरा शहर गूंज उठा। तथा पूरी फैक्ट्री धू-धू कर जल उठी। मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम व पुलिस ने आग को बुझाया लेकिन इससे पूर्व 7 लोग जलकर मर चुके थे। 10 घायलों का इलाज चल रहा है विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है।

बोलेरो कार के खाई में गिरने से 14 बारातियों की मौत हो गई वही दो लोग घायल हो गए। इसके अलावा पौड़ी

गढ़वाल में एक सड़क हादसे में 3 शिक्षकों की मौत के समाचार है तथा हिमाचल के ऊना में एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में 7 लोगों के मरने और 10 लोगों के झुलसने की खबर है जिनका ऊना अस्पताल में इलाज चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो लोगों की मौत, दो घायल

काशीपुर (हमारे संवाददाता)। शादी से घर लौट रहे बाइक सवार दंपति के अज्ञात वाहन की चपेट में आने से जहां पति व एक बेटे की मौत हो गयी वहीं पत्नी व दूसरा बेटा गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार काशीपुर के ग्राम दभौरा टांडा मुस्तकम निवासी मित्रपाल अपनी पत्नी सुमन व जुड़वां बच्चों के साथ पत्नी की चचेरी बहन की शादी में ग्राम रतनपुरा गये थे। बताया जा रहा है कि बीते रोज शादी के बाद मित्रपाल अपने परिवार के साथ अपने साले के घर बाजपुर पहुंचे। जहां से देर शाम वह बाइक पर सवार होकर अपने घर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

कार खाई में गिरी तीन शिक्षकों की मौत, दो घायल

पौड़ी (हमारे संवाददाता)। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक कार के खाई में गिर जाने से जहां तीन शिक्षकों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं दो गम्भीर रूप से घायल हुए है। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी हालत चिन्ताजनक बनी हुई है। मृतक व घायल सभी शिक्षक स्कूल ड्यूटी के लिए जा रहे थे। हादसा नजीबाबाद बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुगड्डा और गुमखाल के बीच हुआ है। जानकारी के अनुसार कोटद्वार से आज सुबह स्कूल ड्यूटी के लिए जा रहे शिक्षकों की कार अनियंत्रित होकर दुगड्डा व गुमाखाल के बीच गहरी खाई में जा गिरी। कार में बैठे सभी पांच लोग शिक्षक बताये जा रहे है। जिनमें से दुर्घटना के चलते तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि दो लोग

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पेगासस: जासूसी के आरोपों की जांच करने वाली समिति ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली। पेगासस सॉफ्टवेयर का उपयोग कर अनधिकृत निगरानी के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त तकनीकी समिति ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट शीर्ष अदालत को सौंप दी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ २३ फरवरी को अंतरिम रिपोर्ट के साथ लंबित याचिकाओं पर विचार करेगी। इससे पहले, न्यायालय ने पिछले साल अक्टूबर में इस मामले पर सुनवाई की थी। उस समय न्यायालय ने भारत में कुछ लोगों की निगरानी के लिए इजराइली स्पाइवेयर का इस्तेमाल किए जाने के आरोपों की जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों का तीन सदस्यीय एक पैनल गठित करने का आदेश दिया था। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमण, जस्टिस सूर्यकांत एवं जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने १२ जनहित याचिकाओं को २३ फरवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। इनमें एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, पत्रकारों–एन राम और शशि कुमार की याचिकाएं भी शामिल हैं। न्यायालय ने भारत में राजनीतिक नेताओं, अदालती कर्मियों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न लोगों की निगरानी के लिए इजराइली स्पाईवेयर पेगासस के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए साइबर विशेषज्ञ, डिजिटल फॉरेंसिक, नेटवर्क एवं हार्डवेयर के विशेषज्ञों की तीन सदस्यीय समिति नियुक्त की थी और जांच की निगरानी की जिम्मेदारी शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. वी. रवींद्रन को सौंपी थी।

देश में आए कोविड-19 के 14 हजार से कम केस, 235 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी क्रम में पिछले २४ घंटों में देश में कोविड–१९ के १३,४०५ नए मामले सामने आए हैं, जो सोमवार के मुकाबले २६४६ केस कम हैं।

बता दें कि पिछले २४ घंटों में ३४,२२६ लोग कोरोना से रिकवर हुए हैं, जिसके बाद कुल रिकवरी का आंकड़ा ४,२१,५८,५१० हो गया है। यही नहीं, इस दौरान २३५ लोगों की कोरोना से मौत भी हुई। इसके बाद कोविड–१९ से कुल मरने वालों की संख्या अब ५ लाख १२ हजार ३४४ हो गई है।

वहीं, देश में अभी भी १,८१,०७५

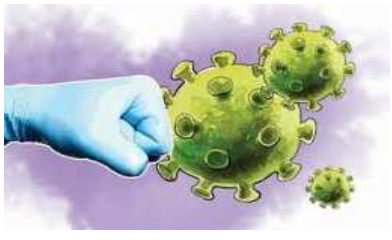

सक्रिय मामले मौजूद हैं। इस दौरान दैनिक पॉजिटिविटी दर १.६८ प्रतिशत रहा, जबकि अब तक १,७५,८३,२७,४४१ लोगों का कुल वैक्सीनेशन हो चुका है। बता दें कि सोमवार को कोविड–१९ के १६,०५१ नए मामले सामने आए थे जो रविवार के मुकाबले ३,६११ मामले कम थे। इस दौरान ३७,६०१ लोग इस बीमारी से रिकवर भी हुए थे, बाद देश में कुल रिकवरी का आंकड़ा ४,२१,२४,२८४ हो गया था।

फिलहाल, कल भारत में २ लाख ०२ हजार १३१ सक्रिय मामले मौजूद थे। देश में कोरोना संक्रमण से सोमवार को २०६ लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद कुल मरने वालों की संख्या ५ लाख १२ हजार १०६ हो गई थी। कल दैनिक पॉजिटिविटी दर १.६३ प्रतिशत दर्ज किया गया था, जोकि रविवार के मुकाबले ज्यादा था। हालांकि, सोमवार के मुकाबले आज भी दैनिक पॉजिटिविटी दर में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बताते चलें कि कल कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा १,७५,४६,२५,७१० था।

दून वैली मेल

संपादकीय

परिणाम तय करेंगे कांग्रेस का भविष्य

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के लिए 2022 का चुनाव करो या मरो वाला चुनाव है। 2017 के चुनाव में कांग्रेस का जो प्रदर्शन रहा था वह निम्नतम स्तर वाला था उसे इस चुनाव में सिर्फ 11 सीटें ही नहीं मिली थी अपितु उसका वोट प्रतिशत भी नीचे गिरा था। वहीं भाजपा ने इस चुनाव में रिकॉर्ड सीटें ही नहीं जीती थी, वोट प्रतिशत में भी एक ऐसा नया रिकॉर्ड बना डाला था जिसे अब भाजपा ही नहीं किसी भी दल के लिए तोड़ पाना बहुत मुश्किल काम होगा। भाजपा की इस बड़ी जीत और काग्रेस की इस बड़ी हार के पीछे कारण चाहे जो भी रहे हो लेकिन इसके लिए पूरी तरह से पूर्व सीएम हरीश रावत को जिम्मेवार ठहराया गया था, उनके ही शासन काल में कांग्रेस में बड़ा विभाजन भी हुआ और काग्रेस हर स्तर पर न्यूनतम स्तर पर खिसकती दिखी। हरीश रावत और कांग्रेस के लिए बीते 7 साल किसी डरावने दु:स्वप्न से कम नहीं रहे हैं। अपनी प्रतिष्ठा व मान-सम्मान को बचाने की इस लंबी लड़ाई में कांग्रेसी नेताओं ने वह सब देखा है जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। पूर्व सीएम हरीश रावत जो अपने राजनीतिक सफर के अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुके हैं 2022 की इस लड़ाई को पूरी शिद्दत और साहस के साथ लड़ रहे हैं जिसके पीछे अहम कारण यही है कि वह राजनीति को अपनी नाकामियों के साथ अलविदा नहीं कहना चाहते हैं। वह अपनी और कांग्रेस की जीत तथा उसी मर्यादित स्थिति के साथ देखना चाहते हैं जैसा पूर्व समय में था। वह यह भी जानते हैं कि वक्त उन्हें शायद एक और मौका नहीं देगा क्योंकि अब वह उम्र के हिसाब से भी उस पड़ाव पर पहुंचने वाले हैं जब लोग वृद्ध नेताओं को मार्ग प्रदर्शक बनाकर किनारे कर दिया जाता है। इस विषय में खास बात यह है कि भाजपा की वर्तमान सरकार ने हरीश रावत और काग्रेस को भरपूर मौका दिया है। भाजपा की बंपर बहुमत वाली सूबे की सरकार का 5 साल में कोई बड़ा काम न करना और फिर दो-दो मुख्यमंत्रियों का बदला जाना तथा पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों के फैसले को पलटा जाना, जैसी घटनाओं के बीच कांग्रेस को अपने पैर जमाने और मजबूत बनने के अच्छे अवसर दिए गए। कांग्रेस इन अवसरों को कितना भुना सकी इसका पता आगामी 10 मार्च को ही चलेगा। लेकिन इस बात को न सिर्फ हरीश रावत बल्कि पार्टी के सभी अन्य नेता भी बखूबी समझते हैं कि इस चुनाव में अगर उनकी हार होती है तो इसके मायने क्या होंगे? भले ही हरीश रावत अभी अपनी जीत और सरकार बनाने के दावे के साथ कह रहे हैं कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र पर ईमानदारी से काम किया तो उसे अगले 20 साल भी कोई हिला नहीं सकेगा लेकिन अभी चुनाव परिणाम से पूर्व इन सभी बातों का कोई मतलब नहीं है। अपने आप को ही मुख्यमंत्री बनाए जाने जैसी उनकी ख्वाहिशों के भी अभी कोई मायने नहीं है। मायने सिर्फ इस बात के है कि 10 मार्च के बाद कांग्रेस का सूबे की राजनीति में क्या महत्व होगा और यह तय करेगा उसकी हार और जीत।

सुयालखर्क में बाघ दिखने से लोगों में दहशत

चम्पावत (आरएनएस)। नघान गांव से लगी सुयालखर्क ग्राम पंचायत में बाघ दिखने से लोगों में दहशत है। इस गांव के जंगल में बीते रविवार को महिलाओं ने बाघ देखा। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। जिसके बाद सोमवार को वन कर्मियों ने सुयालखर्क गांव के जंगल में कांबिंग की। बीते रविवार को जिला मुख्यालय से करीब सात किमी दूर सुयालखर्क गांव के जंगल में कुछ महिलाओं को बाघ दिखाई दिया था। बाघ दिखने से महिलाओं में दहशत फैल गई। महिलाओं ने इसकी जानकारी ग्रामीणों को दी। जिसके बाद सोमवार को डिप्टी रेंजर बृजमोहन टम्टा के नेतृत्व में वन विभाग के कर्मचारियों ने जंगल में कांबिंग की। डिप्टी रेंजर ने बताया कि वन कर्मियों ने जंगल में अत्यधिक मात्रा में उगी झाड़ियों का कटान किया। सुयालखर्क गांव से करीब चार किमी दूर नघान गांव में बीते ३१ जनवरी को बाघ ने एक महिला को मौत के घाट उतार दिया था। इधर, चम्पावत के रेंजर हेम चंद्र गहतोड़ी ने बताया कि विभाग ने ग्रामीणों से जंगल में नहीं जाने की अपील की है।

केंद्र सरकार से अतिरिक्त वृद्धा पेंशन की मांग उठाई

चम्पावत (आरएनएस)। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गेनाइजेशन ने पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स जो कि ६५ वर्ष से अधिक उम्र के हैं उन्हें अतिरिक्त वृद्धा पेंशन देने की मांग उठाई हैं। इस संबंध में उन्होंने डीएम विनीत तोमर के माध्यम से प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को ज्ञापन भेजा है। आर्गेनाइन के प्रदेश महामंत्री बची सिंह रावत और जिलाध्यक्ष हयात सिंह तड़ागी के नेतृत्व में भेजे गए ज्ञापन में पेंशनर्स ने कहा कि सभी पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स को अतिरिक्त वृद्धा पेंशन मिलनी चाहिए जो ८० साल से मिल रही है। प्रदेश महामंत्री रावत ने कहा कि ६५ वर्ष से ७० वर्ष तक ५ फीसदी, ७० से ७५ तक १० फीसदी, ७५ से ८० तक १५, ८० से ८५ तक २५ फीसदी, ८५ से ९० वर्ष तक ३५, ९० से ९५ तक ४५ और ९५ से १०० वर्ष तक १०० फीसदी अतिरिक्त वृद्धा पेंशन संसोधन की मांग उठाई है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड राज्य में भी पंजाब की तर्ज पर पेंशन के अलावा अतिरिक्त पेंशन ६५ साल से मिलने का प्रावधान होना चाहिए। इस मौके पर केसी पुनेठा, उजालू राम, टीआर टम्टा आदि मौजूद रहे।

बेटियों को खुले विचारों की उन्मुक्त उड़ान दीजिए

लक्ष्मीकांता चावला

कर्नाटक के एक स्कूल में हिजाब को यूनिफार्म का हिस्सा मानने से इनकार करने पर विवाद उठा तो राजनीतिक दलों को वोट की राजनीति करने का मौका मिल गया। इसे कहते हैं बिल्ली के भाग्य से छींका टूटना। निस्संदेह यह विषय तो शिक्षा क्षेत्र का था–विद्यार्थी क्या चाहते हैं, स्कूल प्रबंधन ने क्या तय किया और हिजाब पहनने वाले माता–पिता की राय क्या है, पर पांच राज्यों के चुनाव के बीच राजनेता कैसे चुप रहते? कर्नाटक से निकलकर हिजाब से लाभ उठाने का मुद्दा पूरे देश में फैल गया।?बयानबाजी भी शुरू हो गई। धर्मगुरु भी इसमें पीछे नहीं रहे।

अफसोस तो यह है कि जिस कांग्रेस की एक वरिष्ठ नेता च्लडकी हूं, लड़ सकती हूंज् का नारा लिये यूपी से लेकर पंजाब तक घूम रही हैं, उसी कांग्रेस के कर्नाटक के प्रधान जमीर अहमद ने यह घोषणा की कि बच्चियों की सुंदरता को छिपाकर रखने के लिए बुर्का, हिजाब जरूरी हैं। इसके साथ उन्होंने बहुत कुछ ऐसा कहा जो न महिलाओं के सम्मान को बढ़ाने वाले वक्तव्य हैं और न ही पार्टी के। आज हमारा देश, हमारा समाज उस मध्ययुगीन काल में नहीं है जब विदेशी आक्रांता आकर हमारी बहू–बेटियों से क्रूरता करते थे और उन्हें लूट का मामला समझकर ले जाते थे। घूंघट या बुर्का उसी वातावरण में पैदा हुए जब विदेशियों से देश जूझ भी रहा था और समाज त्रस्त भी था। मेरा एक प्रश्न जमीर साहब से है कि क्या उन्हें ऐसा लगता है कि लडकी की सुंदरता को देखकर कुछ पुरुष गिद्ध झपट लेंगे। अगर यह सच भी है तो कुछ पथभ्रष्टों के अनाचार के कारण सारी महिलाओं को क्यों आवरण दिया जाये। निस्संदेह जो अनैतिक लोग हैं, उन्हें कानूनन सजा दी जाए।

मैं यह मानती हूं कि बुर्का और घूंघट दोनों ही महिलाओं के साथ अन्याय हैं। भले ही इसके लिये सामाजिक, सांस्कृतिक तर्क दिये जाएं और धर्म का सहारा लिया जाये। एक बार पुनरू मैं यह कहती हूं कि विदेशी मुस्लिम आक्रमणों से पहले देश में न बुर्का था, न घूंघट। हमारे देश की बेटियां महारानी झांसी, महारानी कर्मावती, जवाहर बाई, चन्ना मां किसी घूंघट में बंद होकर शत्रुओं से लोहा नहीं लेती रहीं। युगों पहले तक स्वयंवर की प्रथा इस देश में थी। सैकड़ों वीर समर्थ पुरुष, राजा पंक्तिबद्ध सामाजिक अनुशासन में बैठते थे। उनमें से एक पुरुष को पति के रूप में चुनकर जयमाला डालने का केवल हमारे देश में ही प्रचलन था। यह स्वयंवर बुर्के और घूंघट में नहीं होता था।

आज प्रश्न केवल हिजाब का नहीं, प्रश्न यह है कि बहुत–सी लड़कियां, कुछ धर्म के ठेकेदारों से प्रभावित, इन बंधनों की वकालत करने के लिए सडक़ों पर आ जाती हैं। वर्षों पहले राजा राममोहन राय जी ने जब सती प्रथा बंद करवाई थी, उस समय भी हमारे समाज के एक भाग ने विरोध किया था। आज २१वीं शताब्दी में भी जब लड़कियां हिजाब या शबरीमाल मंदिर में महिलाओं को प्रवेश न देने के समर्थन में निकलती हैं तो बहुत अफसोस होता है। उनकी मानसिकता अभी भी उनसे प्रभावित है जो महिलाओं को बेडिय़ों में बांधकर रखना चाहते हैं। शायद मन ही मन उनकी उन्नति से आहत भी होंगे।

सत्य यह है कि जब तक पीड़ित अपनी पीड़ा से मुक्ति नहीं चाहता तब तक कानून और राजनीति कुछ नहीं कर सकती। वर्तमान केंद्रीय सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक और हलाला से मुक्ति दिलाई। यह स्वीकार करना होगा कि भारत सरकार का तीन तलाक बंद करने वाला कानून उस बल से ही पारित हुआ जो शक्ति लाखों मुस्लिम महिलाओं ने आगे बढकर तीन तलाक के विरुद्ध आवाज उठाकर दी थी। अभी पुरानी बात नहीं जब शिगनापुर श्रीशनि मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के विरुद्ध एक महिला के नेतृत्व में ही आंदोलन हुआ और सफल भी हुआ। बात हिजाब की हो, घूंघट की हो या फिर मंदिर या मस्जिद में किसी बंधन की, जो इन असंवैधानिक आदेशों से प्रभावित हैं जब तक वे आगे नहीं आएंगे तब तक मुक्ति भी नहीं मिलेगी।

जो घूंघट के प्रबल समर्थक हैं वे उन महिलाओं को देखें जो लंबा घूंघट निकालकर सडक़ों पर मजदूरी करती हैं, बच्चा गोद में उठाकर सिर पर पानी के तीन–तीन घड़े उठाकर काम कर रही हैं, और भी बहुत कुछ। याद रखिए घायल की गति घायल जानता है, उपदेश देने वाले नहीं। आज उस मानसिकता को बदलना होगा, जिसमें एक घूंघट समर्थक और एक बुर्का समर्थक यह कहता है कि औरत और दौलत दोनों को ढक कर रखना चाहिए। हमारे देश की संस्कृति तो यह है कि दौलत घर में बढ़ जाए तो दोनों हाथों से बांटिए, ढक कर नहीं रखिए। महिलाएं घर में बंद रखी गईं तो आधा समाज पक्षाघात का शिकार होकर क्षीण–दीन हो जाएगा। भारत की बेटी सिंहवाहिनी है। १४०० वर्ष पहले तक जब महिलाओं पर इस तरह के प्रतिबंध नहीं थे, तब भी हम दुनिया में भारती मिश्र की तरह शास्त्रार्थ करती थीं। वेद मंत्रों की रचयिता थीं और अपने बच्चों को शेरों के साथ खिलाती थीं।

स सर्गेण शवसा तक्तो अत्यैरप इन्द्रो दक्षिणतस्तुराषाट्।
इत्था सृजाना अनपावृदर्थं दिवेदिवे विविषुरप्रमृष्यम्।।

(ऋग्वेद ६–३२–५)

हे इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने वाले मनुष्य ! आप अपने अंदर त्याग और बल को उत्पन्न करके सतत क्रियाशील होकर सरलता से अपने कर्मों को करते रहो। अपने हिंसक शत्रु पर विजय प्राप्त करो और लौकिक वासनाओं के सामने झुको नहीं। आप मुक्ति प्राप्त करने के मार्ग पर चलते रहो।

O man, who conquers the Indriyan ! By generating renunciation and strength within yourself, be swiftly act and do your deeds with ease. Conquer your violent enemy and do not bow down to worldly lusts. May you continue on the path of attaining salvation.

(Rig Veda 6-32-5)

तर्जनी के गर्जन से निखरे लोकतंत्र का रंग

शमीम शर्मा

गवाही अंगूठे से ही दी जाती है और हस्ताक्षर भी अंगूठे के निशान को ही माना जाता है। गुरु द्रोणाचार्य ने भी एकलव्य से अंगूठा ही मांगा था क्योंकि उन्हें आभास था कि निशानेबाजी अंगूठे के बिना संभव नहीं, पर लोकतंत्र में अंगूठे की बजाय तर्जनी का सर्वाधिक महत्व माना गया है। तर्जनी यानी कि अंगूठे के साथ लगती पहली अंगुली जो आमतौर पर किसी को दिशा का ज्ञान देने के लिये प्रयोग में लाई जाती है। चुप्पी के इशारे के लिये भी यही अंगुली काम आती है। छोटी कक्षाओं में तो यही अंगुली होंठों पर रखवा कर छोटे बच्चों को चुप बैठने का आदेश मिलता है। कलम, पेंसिल, पेन पकडऩे में भी तर्जनी का सर्वाधिक योगदान है। बंदूक–पिस्तौल का घोड़ा दबाने के लिये भी तर्जनी पर ही निर्भर रहना पड़ता है।

मतदान के बाद रंगा तर्जनी को जाता है। वोट डालकर अपनी तर्जनी को रंगवाने का मतलब है कि हमने अपने कर्तव्य का निर्वहन कर दिया। यह रंग संविधान के प्रति सम्मान का रंग है। यह रंग लोकतंत्र में आस्था का रंग है। यह रंग अपने क्षेत्र के एक न एक व्यक्ति के प्रति विश्वास जताने का रंग है चाहे वह व्यक्तिगत रूप से हमें पसन्द हो या न हो। पर अफसोस इस बात का है कि मतदान के बाद रंगी हुई यह अंगुली अपने विधायक या सांसद को दिखाने के लिए हम काम में नहीं लाते। चाहिये तो यह कि एक–एक मतदाता अपने क्षेत्र के नेताओं को अंगुली दिखा–दिखा कर उनके कारनामों के प्रति सतर्क करे। पर हम अपनी तर्जनी की ताकत भूल बैठे हैं। हमें सदैव याद रखना होगा कि इसी तर्जनी पर श्रीकृष्ण ने सुदर्शन थामा था।

तर्जनी विशेष रूप से शास्त्रीय नृत्यों में भावमुद्रा बनाने के बहुत काम आती है। साधु–संतों, ज्ञानियों और बुद्धों की ज्ञानमुद्रा भी अंगूठे की मदद लेकर इसी अंगुली से बनाई जाती है। योग मुद्रा का आधार भी यही तर्जनी है। सिलाई–कढ़ाई में तो इसी अंगुली से सुई में धागा पिरोया जाता है। खाद्य–पदार्थ और विशेषतरू चटनी आदि चाटने में तो यह अंगुली सिद्धहस्त है। पंसारी की दुकान या सब्जी वाले से सामान लेकर दो उंगलियों में लटके हुये लिफाफे उंगलियों से तौबा करवा लेते हैं। लगता है कि तर्जनी अब निष्प्राण हो चली है क्योंकि हमने कभी अंगुली दिखाकर देश के कर्णधारों को चेताने का संकल्प लिया ही नहीं।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर थाना पुलिस ने गुरूनानक एन्क्लेव के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से सात ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम साजिद पुत्र सईद निवासी लक्सर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कार की टक्कर से एक घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंबीवाला निवासी विनोद कुमार ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया उसका भाई दिगम्बर सिंह इन्द्रपुरी झाझरा से घर की तरफ आ रहा था तभी पीछे से आ रही कार संख्या यूके 07 डीवी9179 ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वाहन स्वामियों की शिकायतों का निस्तारण करने की मांग

कोटद्वार (आरएनएस)। गढ़वाल मोटर ऑनर्स यूनियन लिमिटेड ने निर्वाचन आयोग से विधानसभा चुनाव के लिए अधिगृहीत वाहनों के स्वामियों की विभिन्न शिकायतों का निस्तारण करने की मांग की है। इस संबंध में कंपनी की जनरल मैनेजर उषा सजवाण ने जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रशासन ने विधानसभा चुनाव के लिए १० फरवरी से कंपनी की बसों का अधिग्रहण करना शुरू कर दिया था, लेकिन लॉग बुक में १२ फरवरी दर्शाया गया है। वहीं १४ फरवरी को चुनाव के पश्चात ईवीएम को जमा करने एवं चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को उनके गंतव्य तक छोड़ा गया। ऐसे में बसें १६ फरवरी को अपने डिपो में पहुंची, लेकिन लॉग बुक में बसों को केवल १२ से १५ फरवरी तक ही चुनाव ड्यूटी में दिखाया गया है जो कि गलत है। कहा कि इस दौरान कंपनी बसों की डिपो में वापसी के लिए डीजल भी उपलब्ध नहीं करवाया गया, जिससे वाहन स्वामियों को काफी नुकसान हुआ है। कहा कि कंपनी के कई वाहनों को चुनाव ड्यूटी के नाम पर रिजर्व में खड़ा करवा दिया गया और उन्हें लॉग बुक दर्ज भी नहीं किया जो कि वाहन स्वामियों के साथ अन्याय है।

भाषा एक देश से दूसरे देश की संस्कृति से जोड़ती है: वीसी

अल्मोड़ा (आरएनएस)। अल्मोड़ा में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर एसएसजे विवि परिसर के पत्रकारिता विभाग में सोमवार को ऑनलाइन गोष्ठी आयोजित की गई। कुलपति प्रो. एनएस भंडारी ने कहा कि भाषा हमें एक देश से दूसरे देश, एक संस्कृति से दूसरी संस्कृति, एक समाज से दूसरे समाज से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि यूनेस्को द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के लिए २०२२ के लिए च्बहुभाषी शिक्षण के लिए तकनीकी का प्रयोग– चुनौतियां और अवसर विषय को रखा गया है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयोजक प्रो. जेएस बिष्ट ने कहा कि भाषा हमें विश्व से जोड़ती है। हमें अपनी मातृभाषा, बोली आदि को संरक्षण देने के लिए,उसे अपने व्यवहार में लाना होगा। यहां डॉ. ललित जोशी समेत विभाग के छात्र–छात्राएं मौजूद रहीं।

पुरानी तहसील में ट्रैक्टर ट्रालियों में पड़े ठोस अवशिष्ट निस्तारण करने के निर्देश

रुद्रपुर (आरएनएस)। नगर पालिका ने पुरानी तहसील परिसर की ट्रेंचिंग ग्राउंड में तब्दील करने पर पर्यावरण नियंत्रण बोर्ड ने सख्त रुख अख्तियार किया है। बोर्ड ने अधिशासी अधिकारी को ठोस कार्रवाई कर समस्या के जल्द निस्तारण के आदेश दिए हैं।

पालिका लंबे अरसे से पुराने तहसील परिसर में नगर के विभिन्न स्थानों से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन कर पुरानी तहसील परिसर में ट्रेक्टर ट्रॉलियों में भरकर खड़ा कर दिया जाता है। कूड़ा लदी ट्रॉलियों से उठने वाली दुर्गंध से आमजन का जीना दूभर हो चुका है। साथ ही पर्यावरण को भी काफी नुकसान पहुंच रहा था।

इस बीच नगर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता रोहित कुमार वर्मा ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखकर आम जनता को हो रही परेशानी और पर्यावरण को हो रहे नुकसान की शिकायत की है। शिकायत पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मामले को गंभीरता से लेकर सख्त रुख अपनाया है । बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी नरेश गोस्वामी ने अधिशासी अधिकारी को पत्र जारी कर नगरीय ठोस अवशिष्ट को नियमानुसार निस्तारित कराने को कहा है। ताकि नगर की जनता को राहत मिल सके।

आंदोलनकारियों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले के खिलाफ हो राष्ट्रद्रोह का मुकदमा: उक्रांद

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारियों व महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले होटल मालिक पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर उक्रांद ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से पुलिस माहनिदेशक को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां उत्तराखण्ड क्रांति दल के कार्यकर्ता जिला मुख्यालय में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि हरिद्वार के एक होटल मालिक ने सम्पूर्ण पहाडी समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की। जिसके खिलाफ उक्रांद ने मुकदमा दर्ज करा दिया है। इसने उत्तराखण्ड आंदोनकारियों व आंदोलनकारी महिलाओं के विषय में आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया है। होटल मालिक द्वारा रामपुर तिराहा में शहीद हुए आंदोलनकारियों और रामपुर तिराहा में अपमानित हुई महिलाओं पर निम्न स्तर की भाषा का प्रयोग कर गालियां दी गयी। जो महिला आंदोलनकारियों का अपमान है। जोकि राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में आता है।

उन्होंने मांग की है कि होटल मालिक पर तत्काल राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज कर उसको गिरफ्तार किया जाये। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो उक्रांद पुलिस मुख्यालय पर प्रदर्शन करने को बाध्य होगा।

राइंका घुमेटीधार में शिक्षक न होने से पढ़ाई चौपट

नई टिहरी (आरएनएस)। भिलंगना ब्लाक मुख्यालय स्थित राइंका घुमेटीधार में शिक्षकों के अभाव में छात्रों की पढ़ाई चौपट हो रही है। बीते दो वर्षों से कोरोना महामारी की वजह से छात्रों की पढ़ाई–लिखाई बाधित रही, वहीं अब विद्यालय में शिक्षकों की कमी का खामियाजा भी छात्र–छात्राओं को उठाना पड़ रहा है।

राइंका घुमेटीधार में वर्तमान समय में अंग्रेजी, गणित और फिजिक्स जैसे महात्वपूर्ण विषयों के पद रिक्त पड़े हैं, जिससे छात्र–छात्राओं की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। बॉयोलॉजी और हिंदी के पदों पर गेस्ट टीचर नियुक्त है। कालेज में प्रधानाचार्य का पद भी रिक्त है। विद्यालय प्रभारी प्रधानाचार्य के भरोसे चल रहा है। राइंका घुमेटीधार भिलंगना ब्लाक मुख्यालय का एक प्रतिष्ठित विद्यालय है, जो कि गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ ही अनुशासन के मामले में भी अग्रणी माना जाता रहा है। पूर्व में विद्यालय से पढ़ाई–लिखाई करके निकले छात्र–छात्राएं डाक्टर, इंजीनियर और स्पेस के क्षेत्र में अपना मुकाम बना चुके हैं।

बर्फबारी के बाद इन दिनों पर्यटकों से गुलजार है 'गुलाबी कांठा'

उत्तरकाशी (आरएनएस)। यमुनाघाटी क्षेत्र के प्रसिद्ध बुग्याली क्षेत्र श्गुलाबी कांठाश इन दिनों पर्यटकों से गुलजार है। गुलाबी कांठा में बर्फबारी के बाद इन दिनों मौसम साफ है, खुशनुमा है। इस खुशनुमा मौसम में बर्फबारी एवं स्कीइंग का आनंद लेने यहां विभिन्न राज्यों से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

साहस और रोमांच से भरपूर उत्तरकाशी की उच्च हिमालयी वादियों में पर्वतारोहियों एवं सैलानियों के दल हिमशखरों के आरोहण को पहुंचते हैं। कोरोना महामारी के बाद जैसे–जैसे स्थिति सामान्य होती जा रही है देश के विभिन्न राज्यों के एवं विदेशी दल भी रोमांच के सफर पर आगे बढ़ रहे हैं। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही को देख क्षेत्र के व्यवसायियों में भी रोजगार की आस जगने लगी है। उत्तरकाशी जिले की यमुनाघाटी क्षेत्र के नौगांव ब्लॉक के अंतर्गत हनुमान चट्टी से करीब १० किलोमीटर आगे गुलाबी कांठा बुग्याल है। यहां इन दिनों बर्फबारी से पूरा गुलाबी कांठा लकदक है, बर्फ का आनंद लेने एवं स्कीइंग करने इन दिनों यहां अलग–अलग राज्यों से पर्यटक पहुंच रहे हैं। जिससे पूरा गुलाबी कांठा क्षेत्र पर्यटकों एवं रोमांच के शौकीनों से गुलजार है। पर्यटक एवं रोमांच के शौकीन यहां पहुंच कर गुलाबी कांठा क्षेत्र में स्कीइंग का भरपूर आनंद ले रहे हैं। गुलाबी कांठा एडवेंचर की डायरेक्टर एवं स्कीइंग स्ट्रक्चर मीरा रावत का कहना है कि कोरोना महामारी के कारण बीते सालों में पर्यटकों का आवागमन काफी कम रहा। अब स्थिति कुछ सामान्य होने के बाद विभिन्न स्थानों से पर्यटक एवं रोमांच के शौकीन अपने–अपने दलों के साथ निरंतर यहां पहुंच रहे हैं। कहा कि विभिन्न राज्यों के १५ बैच करीब २०० लोग गुलाबी कांठा का दीदार कर चुके हैं।

बर्फबारी के बाद खुशनुमा मौसम में कोलकाता, महाराष्ट्र, चंडीगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से करीब २०० से अधिक पर्यटकों के १५ बैच गुलाबी कांठा पहुंच चुके हैं।

वनाग्नि सुरक्षा के लिए 12 करोड़ की कार्ययोजना का अनुमोदन

नई टिहरी। जिलाधिकारी इवा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वनाग्नि सुरक्षा समित की बैठक आयोजित की गई। जिसमें वनाग्नि रोकने के लिए जिला स्तर पर जिला फायर प्लान में १२.०४ करोड़ रुपये की कार्यायोजना का अनुमोदन डीएम की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति ने किया। वर्ष २०२२–२३ के लिए प्रस्तावित कुल व्यय धनराशि ६६५.२० लाख का अनुमोदन भी किया गया।

डीएम ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वनाग्नि सुरक्षा के लिए उपकरण एवं वाहन की मांग का विवरण उपलब्ध कराएं, ताकि समय से टेंडर प्रक्रिया शुरू करें। वनाग्नि रोकथाम को बेहतर काम करने वाले जनप्रतिनिधियों, प्रधान, वन पंचायत एवं वन विभाग के फील्ड कर्मचारियों को आगामी १५ अगस्त को सम्मानित किया जाएगा। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर एफएसआई फायर अलर्ट में अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाने के निर्देश दिये। साथ ही सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से ग्राम स्तर पर भी जन जागरूकता कार्यशाला आयोजित कर एफएसआई फायर अलर्ट में लोगों को जोड़ना सुनिश्चित करें। प्रभागीय वनाधिकारी वीके सिंह ने पीपीटी के माध्यम से प्रभागवार वन क्षेत्र, रेंजवार वन क्षेत्र, वनाग्नि दुर्घटनाओं के कारण, विगत वर्षों की अग्नि दुर्घटनाएं, वनाग्नि प्रबन्धन, नियमति एवं नियंत्रित दहन कार्य आदि की जानकारी दी। बताया कि ग्राम, वन पंचायत तथा विद्यालय स्तर पर गोष्ठी, रैली तथा नुक्कड़ नाटक आदि से रोकथाम को प्रचार–प्रसार किया जायेगा। वन एवं अग्नि सुरक्षा के महत्व से संबंधित पोस्टर स्लोगन तथा अखबारों में वनाग्नि अपील के माध्यम से प्रचार–प्रसार भी किया जायेगा। बताया कि इसके आलाव रेंजों में वनाग्नि से पूर्व तथा मध्य एक निश्चित अवधि के अन्तराल में क्रु स्टेशनवार अधिक से अधिक मॉक ड्रिल भी किया जाएगा। जनपद के अन्तर्गत एक मास्टर कन्ट्रोल रूम टिहरी वन प्रभाग नई टिहरी में स्थापित किया जायेगा। जिसका सम्पर्क नम्बर ७०७८२०६४०० एवं ०१३७६२३२०७७ होगा। इस प्रकार प्रत्येक वन प्रभाग के प्रत्येक रेंज में रेंज कन्ट्रोल रूम होगा, जिसमें सूचना तंत्र सक्रिया रहेगा। जनपद में १७६ क्रू स्टेशन स्थापित किये गये हैं, जिसमें टिहरी वन प्रभाग में ४८, नरेन्द्रनगर वन प्रभाग में ६६, मसूरी वन प्रभाग में २२, टिहरी डैम वन प्रभाग प्रथम नई टिहरी २३, टिहरी डैम वन प्रभाग द्वितीय ८ तथा भूमि संरक्षण वन प्रभाग में ६ क्रु स्टेशन है। इन क्रु स्टेशनों में वनाग्निकाल में कर्मचारी व फायर वॉचर नियमित फायर ड्रिल करेंगे तथा वनाग्नि दुर्घटना होने पर सक्रियता से नियंत्रण कार्य करेंगे।

सैंडविच मेकर को आसानी से साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

सैंडविच मेकर की मदद से स्टफ ब्रेड या फिर रोल आदि को ग्रील करने में काफी कम समय लगता है। हालांकि, जब बात इसकी सफाई की आती है तो कई लोगों को मुश्किल होती है क्योंकि यह एक बिजली से चलने वाला उपकरण है और गलत तरीके से सफाई से यह खराब हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिन्हें आजमाकर आप सैंडविच मेकर को मिनटों में सुरक्षित तरीके से साफ कर सकते हैं।

सफाई करते समय जरूर बरतें ये सावधानियां

सैंडविच मेकर की सफाई करने से पहले इसका प्लग स्विच बोर्ड से निकाल दें ताकि किसी तरह के नुकसान से बचा जा सकें। इसके अलावा, सफाई की प्रक्रिया शुरू करने से पहले सैंडविच मेकर की प्लेट को थोड़ा ठंडा होने दें क्योंकि गर्म प्लेट पर रसायनों का इस्तेमाल करने से यह खराब हो सकता है। इसी के साथ सैंडविच मेकर की प्लेट को एक सूखे माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछ लें।

बेकिंग सोडा और सिरका आएगा काम

सैंडविच मेकर को साफ करने के लिए बेकिंग सोडा और सिरके के मिश्रण का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए पहले इन दोनों को एक कटोरी में मिलाकर गाढ़ा घोल बनाएं, फिर इस घोल को सैंडविच मेकर की गंदी जगह पर लगाकर 15 से 2० मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सैंडविच मेकर को पहले किसी गीले स्पंज से दो से तीन बार पोंछे, फिर अंत में इसे सूखे माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछे।

बेकिंग सोडा और गर्म पानी भी है कारगर

इस तरीके से भी सैंडविच मेकर को आसानी से साफ किया जा सकता है। इसके लिए एक मुलायम कपड़े को गर्म पानी में कुछ देर के लिए भिगोएं। इस बीच सैंडविच मेकर की सतह पर बेकिंग सोडा की अच्छी-खासी मात्रा छिड़ककर उसे 1०-15 मिनट के लिए छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद सैंडविच मेकर पर गर्म पानी से भिगे हुए कपड़े को हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद किसी सूखे और साफ कपड़े से सैंडविच मेकर को पोंछे।

इन बातों का भी रखें ध्यान

भूल से भी सैंडविच मेकर को चलते पानी के नीचे रखकर साफ न करें क्योंकि इससे इसके हीटिंग एलिमेंट को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं, जब आप सैंडविच मेकर में कुछ भी पकाएं तो इसके तुरंत बाद इसे साफ कर दें क्योंकि अगर आप देर करेंगे तो इसमें बनाई गई सामग्री के बचे हुए अवशेष सूख जाएंगे, जिनके कारण इसे साफ करना मुश्किल हो जाएगा। समय-समय पर सैंडविच मेकर की बाहरी सफाई पर भी ध्यान दें।

याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकते हैं ये प्राणायाम, ऐसे करें अभ्यास

आज के दौर में कमजोर याददाश्त सबसे बड़ी समस्या बनती जा रही है और इसका मुख्य कारण गलत खान-पान और खराब जीवनशैली है। हालांकि, योग की मदद से न सिर्फ याददाश्त को तेज करने में मदद मिल सकती है बल्कि कई तरह के मानसिक बीमारियों के जोखिम कम करने में सहायक है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे प्राणायामों के अभ्यास का तरीका बताते हैं, जो याददाश्त तेज करने में काफी मदद कर सकते हैं।

भ्रामरी प्राणायाम

भ्रामरी प्राणायाम के लिए योगा मैट पर पद्मासन की स्थिति में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों को कोहनियों से मोड़कर अपने कानों के पास लाएं और अंगूठों से अपने दोनों कानो को बंद करें, फिर हाथों की तर्जनी उंगलियों को माथे पर और मध्यमा, अनामिका और कनिष्का उंगली को बंद आंखों के ऊपर रखें। इसके बाद मुंह बंद करें और नाक से सांस लेते हुए ओम का उच्चारण करें। कुछ मिनट बाद धीरे-धीरे प्राणायाम को छोड़ दें।

नाड़ी शोधन प्राणायाम

नाड़ी शोधन प्राणायाम के लिए सबसे पहले योगा मैट पर सुखासन की मुद्रा में बैठें, फिर दाएं हाथ की पहली दो उंगलियों को माथे के बीचों-बीच रखें। अब अंगूठे से नाक के दाएं छिद्र को बंद करके नाक के बाएं छिद्र से सांस लें, फिर अनामिका उंगली से नाक के बाएं छिद्र को बंद करके दाएं छिद्र से सांस छोड़ें। इस दौरान अपनी दोनों आंखें बंद करके अपनी सांस पर ध्यान दें। कुछ देर बाद प्राणायाम छोड़ दें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

प्याज खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप यह चाहते हैं कि खाने में प्याज का अच्छा स्वाद आए तो इसके लिए जरूरी है कि आप बाजार से अच्छा और सही प्याज खरीद कर लाएं। आमतौर पर कई लोग प्याज खरीदते समय सिर्फ इसकी बनावट पर ध्यान पर ध्यान देते हैं, जबकि इसके साथ-साथ कुछ अन्य चीजें भी हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी खास बातों के बारे में बताते हैं, जिन्हें ध्यान में रखकर आप सही प्याज का चयन कर सकते हैं।

अधिकतर लोग बड़े आकार का प्याज खरीदना सही समझते हैं क्योंकि इससे उन्हें सब्जी में एक ही प्याज का इस्तेमाल करना पड़ेगा, जबकि ऐसा नहीं है। दरअसल, कई बार सुविधा के चक्कर में हम खुद का ही नुकसान कर बैठते हैं। जैसे बड़े प्याज के खराब होने की संभावना सबसे अधिक होती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप हमेशा छोटे या फिर मध्यम आकार के ही प्याज खरीदें और यह भी सुनश्चित करें कि प्याज का छिलका न उतरा हो।

प्याज को हमेशा एक बार हल्के से दबाकर देखने के बाद ही खरीदना चाहिए। अगर प्याज आसानी से दब रहा है या फिर उसमें से खराब महक आ रही है तो उसे न खरीदें क्योंकि ऐसे प्याज अंदर से सड़े निकलते हैं। वहीं, अगर प्याज हल्के लाल रंग और सख्त है तो उसे खरीदना बेहतर होगा क्योंकि ऐसे प्याज स्वाद में मीठे और खाने में स्वाद बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

अगर अंकुरित प्याज का जल्दी इस्तेमाल न किया जाए तो वह सड़ जाता है। इसलिए प्याज को खरीदते समय इसके ऊपरी हिस्से पर ध्यान दें। अगर वह हरा नजर आ रहा है तो समझ जाएं कि प्याज जल्द ही अंकुरित होने वाला है। बेहतर होगा कि आप ऐसे प्याज को न खरीदें। इसके अतिरिक्त, अगर प्याज पर काले पाउडर जैसा कुछ नजर आए तो उसे न खरीदें क्योंकि हो सकता है कि उसे केमिकल्स से पकाया गया हो।

प्याज एक पौष्टिक और खाने का स्वाद बढ़ाने वाली सब्जी है, इसलिए आमतौर पर लोग किलोभर या फिर इससे ज्यादा प्याज खरीद लेते हैं। हालांकि आप उतने ही प्याज खरीदें, जितने आप छह से सात दिन के अंदर खत्म कर सकते हैं। आजकल बाजार में कई रंग की प्याज मौजूद हैं, लेकिन बेहतर होगा कि आप सफेद या फिर हल्के लाल रंग की प्याज खरीदें क्योंकि ये स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं। वहीं, प्याज को हमेशा नमी वाली जगहों से दूर स्टोर करें।

सर्दी और खांसी होने पर इन चाय का करें सेवन

मौसम में बदलाव और गलत खान-पान के कारण किसी को भी सर्दी और खांसी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन ये छोटी-छोटी समस्याएं तकलीफ देती हैं। इसलिए कई लोग इनसे छुटकारा पाने के लिए तरह-तरह की दवाईयों का सेवन करते हैं, जिनका असर न बराबर ही होता है।

आइए आज हम आपको कुछ ऐसी चाय की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करके सर्दी और खांसी से राहत दिलाने में मदद कर सकता है।

अदरक की चायः अदरक की चाय में वार्मिंग और एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो सर्दी और खांसी जैसी बीमारियों से बचाने में मदद कर सकते हैं। इस चाय को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में दो से तीन कप पानी और थोड़ा सा कदूकस किया हुआ अदरक डालें। इसके बाद कुछ मिनट तक पानी को उबलाकर गैस बंद कर दें। अब इस चाय को छानकर एक कप में डालें, फिर इसमें स्वादानुसार शहद मिलाकर पिएं।

तुलसी की चायः इस चाय का सेवन भी सर्दी और खांसी से राहत दिलाने में सहायक है। तुलसी की चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक कप पानी को अच्छे से गर्म करें, फिर उसमें एक चौथाई चम्मच चायपत्ती डालें और जब पानी में उबाला आ जाए तो इसमें तुलसी की पांच से छह पत्तियां और दूध ((वैकल्पिक) डालकर फिर से उबालें। अब चाय को एक कप में छानकर निकालें और इसमें शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

पुदीने की चायः पुदीने में एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट प्रोपर्टीज मौजूद होती हैं, इसलिए पुदीने की चाय का सेवन भी सर्दी और खांसी की समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। पुदीने की चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में डेढ़ कप पानी में थोड़ी पुदीने की पत्तियां डालकर उबालें, फिर इस चाय को छानकर कप में डालें। इसके बाद चाय में स्वादानुसार शहद या मेपल सिरप मिलाकर इसका सेवन करें।

शब्द सामर्थ्य -131

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

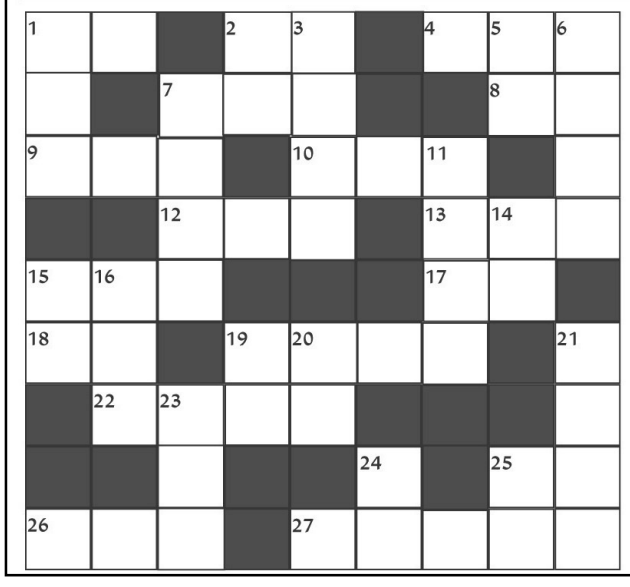

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 130 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

जॉन अब्राहम ने विपुल शाह से हासिल किए फोर्स 3 के राइट्स

जॉन अब्राहम की फिल्म फोर्स और फोर्स २ ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई थी। इन दोनों फिल्मों में जॉन अपने एक्शन अवतार में दिखे थे। काफी समय से दर्शक फोर्स ३ की राह देख रहे हैं। अब फोर्स फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। ऐसी चर्चा है कि जॉन ने प्रोड्यूसर विपुल शाह से फोर्स ३ के राइट्स हासिल कर लिए हैं। फिल्म को बनाने की योजना पर काम शुरू हो चुका है।

रिपोर्ट के अनुसार, जॉन ने प्रोड्यूसर विपुल से फिल्म फोर्स ३ के राइट्स प्राप्त कर लिए हैं। एक करीबी सूत्र ने बताया, जॉन ने विपुल से फोर्स फ्रेंचाइजी के सभी अधिकार हासिल कर लिए हैं। वह इस प्रोजेक्ट से जुड़ी चीजों को अगले स्तर तक ले जाने के लिए कमर कस रहे हैं। जॉन एक ऐसी कहानी को अंतिम रूप देने के मिशन पर हैं, जो फोर्स फ्रेंचाइजी के यूनिवर्स के साथ न्याय करती हो।

फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी होने के बाद टीम प्री–प्रोडक्शन के अन्य पहलुओं पर आगे काम करेगी। इस संबंध में फोर्स फ्रेंचाइजी के प्रोड्यूसर विपुल ने भी पुष्टि की है। उन्होंने कहा, जॉन को बधाई और शुभकामनाएं। यह एक बहुत ही खास यूनिवर्स है और हम चाहते हैं कि वह इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। जॉन के साथ एक सुपरहिट फ्रेंचाइजी के रूप में फोर्स के दोनों पार्ट को बनाना एक खुशी की बात है।

फोर्स २०११ में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसमें जॉन ने एसीपी यशवर्धन सिंह की भूमिका निभाई थी। निशिकांत कामत ने फिल्म का निर्देशन किया था। विद्युत जामवाल ने इस फिल्म के जरिए हिन्दी फिल्मों में अपना डेब्यू किया था। फोर्स २ २०१६ में दर्शकों के बीच आई थी, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा की एंट्री हुई थी। ताहिर राज भसीन भी इस फिल्म का हिस्सा थे। इसका निर्देशन अभिनय देव ने किया था।

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ, तो इस साल के अंत या अगले साल की पहली तिमाही में फोर्स ३ की शूटिंग शुरू होगी। अभी तक फिल्म के कास्ट को लेकर कोई खास जानकारी सामने नहीं आई है।

जॉन के खाते में एक से बढ़कर एक कई फिल्में हैं। वह फिल्म अटैक में जैकलीन फर्नांडिस और रकुल प्रीत सिंह के साथ नजर आएंगे। वह शाहरुख अभिनीत फिल्म पठान का भी अहम हिस्सा हैं। इसमें जॉन विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। वह भूषण कुमार की एक फिल्म से बतौर निर्माता जुड़े हुए हैं। हिट मलयालम फिल्म अय्यप्पनम कोशियुम की हिन्दी रीमेक में भी जॉन दिखेंगे। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा था।

आमिर की लाल सिंह चड्ढा की रिलीज टली, अब 11 अगस्त को आएगी फिल्म

सुपरस्टार आमिर खान अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा को पूरा करने में जी–जान से लगे हुए हैं। यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट भी है। कोरोना के कारण इस प्रोजेक्ट में पहले ही काफी देरी हो चुकी है। अब एक बार फिर फिल्म की रिलीज डेट टल गई है। अब यह फिल्म बैसाखी के मौके पर १४ अप्रैल को सिनेमाघरों में नहीं आएगी। निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज डेट ११ अगस्त तय की है।

आमिर खान प्रोडक्शंस ने अपने ट्विटर हैंडल पर फिल्म की रिलीज को टालने का ऐलान किया है। आमिर खान प्रोडक्शंस के ट्विटर पोस्ट पर शेयर किए गए नोट में लिखा गया, यह घोषणा की जाती है कि हमारी फिल्म लाल सिंह चड्ढा योजना के अनुसार १४ अप्रैल को रिलीज नहीं होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि हम फिल्म को समय पर पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब फिल्म ११ अगस्त, २०२२ को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेकर्स ने अपने बयान में टी–सीरीज के मालिक भूषण कुमार, ओम राउत और आदिपुरुष की पूरी टीम को धन्यवाद दिया है। लाल सिंह चड्ढा के निर्माताओं के मुताबिक, आदिपुरुष अब अपनी तय रिलीज डेट ११ अगस्त को सिनेमाघरों में नहीं आएगी। लाल सिंह चड्ढा और आदिपुरुष की टीम ने बातचीत करते हुए एक समझदारी भरा निर्णय लिया है। आदिपुरुष में प्रभास, कृति सैनन और सैफ अली खान नजर आने वाले हैं।

आदिपुरुष की नई रिलीज डेट क्या होगी, इसको लेकर कुछ भी नहीं बताया गया है। मेकर्स जल्द फिल्म की नई रिलीज डेट जारी कर सकते हैं। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे बड़े बजट में बनाया गया है।

लाल सिंह चड्ढा हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप की हिन्दी रीमेक है, जिसमें आमिर वाला किरदार टॉम हैंक्स ने निभाया था। फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर भी दिखेंगी। इससे पहले दोनों सुपरहिट फिल्म थ्री इडियट्स में नजर आए थे। एक बार फिर दोनों कलाकार दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। फिल्म में मोना सिंह, सलमान खान और शाहरुख खान भी दिखेंगे। साउथ अभिनेता नागा चैतन्य की यह बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है।

कोरोना के कारण कई बार फिल्म की रिलीज डेट को बदलना पड़ा। यह फिल्म मूल रूप से क्रिसमस, २०२० पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी। कोरोना के कारण प्रोडक्शन रुकने के चलते इसे एक साल के लिए टाल दिया गया था। फिर इसकी रिलीज डेट इस साल १४ अप्रैल को निर्धारित की गई थी। फिल्म का निर्देशन अद्वैत चंदन ने किया है। यह आमिर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन रही है।

लाल सिंह चड्ढा का अक्षय कुमार की फिल्म रक्षा बंधन से क्लैश हो सकता है। रक्षा बंधन भी ११ अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल रॉय ने किया है।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी धनुष और मालविका की फिल्म मारन

पैन इंडिया स्टार धनुष आने वाले दिनों में एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। मारन भी उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म से जुड़ी अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। अब यह साफ हो गया है कि धनुष और मालविका मोहनन की यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। मालविका ने सोशल मीडिया पर यह ऐलान किया है।

मालविका मोहनन ने ट्विटर पर लिखा, हमारी तरफ से आप सभी को हैप्पी वैलेंटाइन डे। जल्द ही मारन के साथ आपको डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर मिलेंगे। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने भी सोशल मीडिया पर आज फिल्म की ह्ज्जज्ज रिलीज का ऐलान कर दिया है। मारन का नया पोस्टर फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इसमें धनुष और मालविका का रोमांटिक अंदाज देखने को मिल रहा है। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान अभी नहीं हुआ है।

इस फिल्म के साथ धनुष की सीधे ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों की हैट्रिक हो गई है। इससे पहले उनकी दो फिल्में जगमे थंडीरम और अतरंगी रे भी सीधे ओटीटी पर ही रिलीज हुईं। जगमे थंडीरम नेटफ्लिक्स तो अतरंगी रे हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई।

फिल्म मारन के निर्देशक कार्तिक नरेन हैं। इसमें धनुष के साथ मालविका के अलावा मास्टर महेंद्रन, समुथीराकनी, स्मृति वेंकट और कृष्ण कुमार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। गीतकार विवेक के लिखे गीतों को फिल्म में संगीतकार जी वी प्रकाश ने सुरों से सजाया है। धनुष की फिल्मों में संगीत हमेशा से मजबूत पक्ष रहा है। निर्माताओं को उम्मीद है कि वे इसे तमिल के अलावा दूसरी भारतीय भाषाओं में डब करके देशभर के दर्शकों को आकर्षित करने में सफल रहेंगे।

बता दें कि निर्माता पहले इस फिल्म को सिनेमाघरों में ही रिलीज करना चाहते थे, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसकी डिजिटल रिलीज का फैसला किया गया। फिल्म में धनुष एक खोजी पत्रकार की भूमिका निभाने वाले हैं। ऐसी भूमिका में उन्हें पहले कभी नहीं देखा गया। फिल्म में उनका एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। धनुष रुसो ब्रदर्स की अगली फिल्म द ग्रे मैन में अहम भूमिका निभाने वाले हैं। नाने वरुवेन, वाथी और थिरुचित्रम्बलम उनकी आगामी तमिल फिल्में हैं।

मालविका साउथ की जानी–मानी एक्ट्रेस हैं। पिछली बार वह फिल्म मास्टर में नजर आईं, जिसमें उनकी अदाकारी और अंदाज की काफी सराहना हुई।

सोशल मीडिया पर मालविका काफी सक्रिय रहती हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें अक्सर वायरल होती हैं। मालविका मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने ईशान खट्टर के साथ फिल्म बियॉन्ड द क्लाउड्स से बॉलीवुड में कदम रखा था। वह फिल्म युधरा में नजर आएंगी। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ बनी है।

कृति शेट्टी की द वारियर का लुक जारी

एन लिंगुसामी के निर्देशन में दो भाषा में बनी एक्शन एंटरटेनर द वारियर की टीम ने वेलेंटाइन डे पर फिल्म में अभिनेत्री कृति शेट्टी का पहला लुक जारी कर दिया गया। फर्स्ट लुक पोस्टर में कृति शेट्टी दोपहिया वाहन की सवारी कर रही हैं। अभिनेत्री ने फिल्म में सीटी महालक्ष्मी नामक एक किरदार निभाया हैं। श्रीनिवास सिल्वर स्क्रीन के बैनर तले श्रीनिवास चित्तूरी द्वारा निर्मित फिल्म पवन कुमार द्वारा प्रस्तुत की जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि प्रोडक्शन हाउस की पिछली फिल्म, सीटीमार २०२१ में रिलीज हुई थी, जो जबरदस्त सफल हुई थी। द वारियर ने प्रशंसकों के बीच अत्यधिक रुचि पैदा कर दी है। इसमें अभिनेता आधी पिनिसेटी एक प्रतिपक्षी की भूमिका निभाएंगे। अभिनेत्री अक्षरा गौड़ा भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण और दिलचस्प किरदार निभा रही हैं, जिसका संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है।

कृति शेट्टी एक लोकप्रिय अभिनेत्री, मॉडल और इन्फ्लुएंसर हैं। कृति को फिल्म च्उप्पेनाज् में च्संगीताज् की भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है।

उन्होंने च्सारिगामाज् (२००६), च्अजगरसमियिन कुथिराईज् (२०११), और च्नेहविन कधालरकलज् (२०१४) जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री के च्स्टाइलिश आइकनज् च्ऋतिक रोशनज् के साथ फिल्म च्सुपर ३०ज् (२०१६) में काम किया है। कृति तब विवादों में आईं जब उन्हें फिल्म कोंडन कोडुथान में काम करने का मौका मिला। जब वह फिल्म उप्पेना में नजर आई थीं, तब वह विवादों में थीं। प्रसिद्ध थिएटर निर्देशक च्जय थीर्थज् ने उन्हें अभिनय का प्रशिक्षण लेने की सलाह दी। बाद में वह च्मस्ती संडे स्कूल ऑफ ड्रामाज् में शामिल हो गईं। उन्होंने च्प्रीतिज् नाम के एक थिएटर प्ले में काम किया है। उन्होंने अपना नाम अद्वैत से बदलकर कृति शेट्टी कर लिया है।

लव हॉस्टल का ट्रेलर रिलीज, 25 फरवरी को आएगी फिल्म

शाहरुख खान भले काफी समय से एक्टिंग से दूर हैं, लेकिन उनकी प्रोडक्शन की फिल्म लव हॉस्टल जल्द दर्शकों के बीच आएगी। फिल्म २५ फरवरी को सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म जी५ पर रिलीज होगी। विक्रांत मैसी, सान्या मल्होत्रा और बॉबी देओल के अभिनय से सजी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में सभी कलाकारों की एक्टिंग कमाल की लग रही है। मार–धार और एक्शन से भरपूर ट्रेलर आपको जरूर पसंद आएगा।

शाहरुख ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है। साथ ही उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, एक ऐसे जगह में जहां प्यार में पड़ना आपके जीवन को खो देता है, एक विद्रोही कपल सीमा तोडने की हिम्मत करता है। क्या उनका प्यार बच पाएगा? लव हॉस्टल का ट्रेलर जारी हो गया है। इसका प्रसारण २५ फरवरी से जी५ पर होगा। शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने फिल्म का निर्माण किया है।

फिल्म में विक्रांत और सान्या ने एक प्रेमी जोड़े का किरदार निभाया है। ये दोनों प्यार में पड़ते हैं और फिर घर से भागकर शादी रचा लेते हैं। फिर उनके परिवार वाले उनके पीछे पड़ जाते हैं। परिवार वालों से बचने के लिए वे पुलिस की मदद लेते हैं। प्रशासन उन्हें सुरक्षित रखने के लिए एक हॉस्टल में शिफ्ट करती है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे सान्या और विक्रांत ने प्यार के लिए बगावती तेवर अपना लिया है।

कहानी में रोचक मोड़ तब आता है, जब विलेन बने बॉबी देओल की एंट्री होती है। बॉबी एक कॉन्ट्रेक्ट किलर डागर के किरदार में दिखे हैं। बॉबी पर घर से भागी हुई लडकी (सान्या) को जिंदा घर पहुंचाने की जिम्मेदारी दी जाती है। इसके बाद शुरू होता एक्शन और खून खराबा। सान्या की घर वापसी के बाद उनके परिवार वाले उसे मौत के घाट उतार देंगे। यह कहानी ऑनर किलिंग की लगती है।

ट्रेलर में बॉबी का लुक, गेटअप और बॉडी लैंग्वेज कमाल का लगा है। उनकी एक्टिंग में काफी गंभीरता दिखी है। विक्रांत और सान्या का भी अभिनय अव्वल दर्जे का लगा। इन दोनों की डायलॉग डिलीवरी भी लाजवाब लगी।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शंकर रमन ने इस फिल्म की कहानी लिखी है और फिल्म के निर्देशक भी शंकर ही हैं, जो पंकज त्रिपाठी की फिल्म गुड़गांव का निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म तबाही, खून–खराबे के साथ सत्ता, धन और सिद्धांतों के खेल में जीवन जीने की कहानी है। शंकर ने कहा था, मैंने हमेशा से ही दिल और दिमाग के सवालों में रुचि रखी है। मैं यह कहूंगा, सवाल चाहे कोई भी हो, हिंसा उसका जवाब नहीं है।

भारत-यूएई व्यापार के लिए समृद्धि का नया युग

पीयूष गोयल/डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयौदी

यदि हम 2021 को पीछे मुड़कर देखते हैं और 2022 से आगे भविष्य के बारे में सोचते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि हमारे दोनों राष्ट्र एक ऐतिहासिक मोड़ पर हैं। यूएई अपना 50वां वर्ष मना रहा है और इसने अगले 50 वर्षों के विकास के लिए अपने विज़न को अंतिम रूप दिया है। भारत भी अपनी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और नयी शक्ति एवं उत्साह के साथ अपनी दीर्घकालिक विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है।

अभी कुछ ही समय पहले, 2017 में, दोनों देशों के राजनेताओं द्वारा हमारे संबंधों को और मजबूत बनाते हुए एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। एकसमान दृष्टिकोण, गहरी आत्मीयता व आपसी समझ में निहित एवं समय की कसौटी पर खरे उतरे हमारे संबंध; एक मजबूत और बहुआयामी द्विपक्षीय सहयोग के रूप में विकसित हुए हैं, जो हमारे लाखों लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

यह विशेष संबंध निरंतर विकसित हो रहा है और एक जटिल तथा अनिश्चित दुनिया की चुनौतियों, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के मद्देनजर, का सामना करने के लायक बन रहा है। हमारे राष्ट्रों का धैर्य और सहनशीलता और इससे भी महत्वपूर्ण बात- हमारे मैत्रीपूर्ण संबंधों की प्रगाढ़ता विपरीत परिस्थितियों में और भी मज़बूत हुई हैं। हमने सभी समुदायों के लिए शांति, सद्भाव, सह-अस्तित्व और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम किया है। हमारा पूरा ध्यान; व्यापार, प्रौद्योगिकी, प्रतिभा और पर्यटन के कुशल उपयोग के माध्यम से हमारे लोगों और शेष दुनिया के लिए, प्रगति करने पर केन्द्रित रहा है। एक उदाहरण है- महामारी के बावजूद यूएई द्वारा एक्सपो 2020 की सफल मेजबानी, जिसमें भारत एक प्रेरणादायी मंडप के माध्यम से अपनी भूमिका निभा रहा है, जिसने राष्ट्रीय भावना को अपनी ओर आकर्षित करने के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है।

आज हमारी रणनीतिक साझेदारी एक महत्वपूर्ण बदलाव के कगार पर है। कोविड महामारी के बाद के युग में हम आपसी सहयोग के आधार पर विकास की संभावनाओं की तलाश कर रहे हैं और हमारी साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए हमारे पास साझा दृष्टिकोण मौजूद है। हमारा साझा दृष्टिकोण एक ऐसी साझेदारी का निर्माण करेगा, जो सतत विकास, जलवायु संरक्षण संबंधी कार्य, नवाचार, डिजिटलीकरण, स्टार्टअप, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य, फिन-टेक और कार्यकुशलता जैसे नए व उभरते क्षेत्रों में सहयोग पर विशेष ध्यान देने के साथ भविष्य के भी अनुरूप हो।

सिर्फ पांच महीने पहले, हम ऐतिहासिक कार्य- एक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर बातचीत की शुरुआत- के लिए आशा की साझा भावना के साथ आगे आए, जो न केवल व्यापार, वाणिज्य और निवेश के लिए बड़े अवसर पैदा करेगा, बल्कि एक कठिन- लेकिन संभावित रूप से परिवर्तनकारी- कालखंड में दीर्घकालिक वैश्विक सुधार (रिकवरी) के लिए योगदान भी देगा।

प्रगति की पारस्परिक इच्छा और दोनों देशों के लोगों को दूरगामी लाभ पहुंचाने की अटूट प्रतिबद्धता दोनों पक्षों में गहरी थी। उद्देश्य की इस संयुक्त भावना ने वार्ता को प्रेरित किया, जो मौजूदा महामारी की चुनौतियों के बावजूद भी असाधारण तेज गति से आगे बढ़ी। आज, समझौता हस्ताक्षरित, मुहरबंद और पूरा कर लिया गया है। संयुक्त अरब अमीरात और भारत के बीच समृद्धि और रणनीतिक सहयोग के एक नए युग के लिए मंच पूरी तरह तैयार है, जो दोनों देशों को नयी ऊंचाई पर ले जाएगा।

दोनों राष्ट्रों को होने वाले प्रत्यक्ष लाभ बिल्कुल स्पष्ट हैं। पांच वर्षों में हमारा द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। यह आंकड़ा महामारी से पहले के स्तर से दोगुना है। बाजार तक पहुंच बढ़ने से निर्यातकों, आयातकों और उपभोक्ताओं सहित सभी हितधारकों को समान रूप से लाभ होगा।

कई उत्पादों के मामले में, विशेष रूप से रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, चमड़ा, जूते, प्लास्टिक, कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग का सामान और दवा (फार्मास्यूटिकल्स) जैसे श्रम-केंद्रित क्षेत्रों में भारतीय व्यापार जगत को बाजार तक बेहतर पहुंच हासिल होगी। दूसरी ओर, संयुक्त अरब अमीरात के निर्यातकों को विशेष रूप से पेट्रोलियम, धातु, खनिज, रसायन और पेट्रोकेमिकल्स जैसे उत्पादों के लिए भारत के बड़े बाजार में बेहतर पहुंच प्राप्त होगी। बदले में, भारत में प्लास्टिक, रत्न एवं आभूषण जैसे छोटे उद्योग कम कीमत वाले सामानों से लाभान्वित होंगे।

दोनों देशों के लोगों ने सदियों से चली आ रही निर्बाध आवाजाही का आनंद उठाया है। यह व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) भारतीय पेशेवरों को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रोजगार के बेहतर अवसर खोजने और वैश्विक मंच पर चमकने में सक्षम बनाएगा। दोनों पक्षों को मध्य पूर्व, अफ्रीका, यूरोप और अन्य क्षेत्रों के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में संयुक्त अरब अमीरात की भौगोलिक स्थिति का भी लाभ मिलेगा। पूंजी के सभी रूप- वित्तीय, तकनीकी और मानव- एक नए और अधिक कुशल ढांचे के साथ दोनों दिशाओं में प्रवाहित होंगे। निजी निवेश लाने में मदद करने वाले सार्वजनिक पूंजी निवेश पर भारत का जोर- जैसाकि इसके हालिया बजट में परिलक्षित हुआ है- अपने विकास से संयुक्त अरब अमीरात को लाभ पहुंचाते हुए उसके निवेश के लिए अच्छे अवसर प्रदान करेगा।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों के लिए भी वैश्विक स्तर पर पहुंचना आसान होगा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात में स्टार्टअप के आकर्षक, प्रतिस्पर्धी और पूरक इकोसिस्टम हैं और बैंगलोर, मुंबई, नई दिल्ली सहित भारत के विभिन्न राज्यों/शहरों से लेकर अबूधाबी और दुबई जैसे संयुक्त अरब अमीरात के व्यापारिक केंद्रों के लिए उद्यमिता का एक सुनहरा युग उभर रहा है। हमारा व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) स्टार्टअप को नए ग्राहकों, नेटवर्क और अवसरों तक पहुंच प्रदान करता है और एक लॉन्चपैड के रूप में गति बढ़ाने के लिए बेहतर तंत्र प्रदान करता है।

दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में बेहद घनिष्ठ संबंध हैं। हम एक स्वच्छ और हरित भविष्य के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में एक सामयिक, उपयुक्त और न्यायसंगत बदलाव के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों में पारस्परिक निवेश के साथ पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में हमारे संबंध अनूठे हैं। संयुक्त अरब अमीरात भारत के सामरिक पेट्रोलियम भंडार में भाग लेने वाला एकमात्र देश भी है।

दोनों देश गतिशील नई व्यापार और निवेश नीतियों का अनुसरण कर रहे हैं। वर्ष 2022 में भारत का निर्यात 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाने की उम्मीद है। हमारा बढ़ता द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था के आकार को दोगुना करने के संयुक्त अरब अमीरात के प्रयासों में एक अहम भूमिका निभाएगा। सदियों से संयुक्त अरब अमीरात और भारत की नियति अटूट रूप से जुड़ी हुई है। मित्रता, विश्वास और उद्यमशीलता की भावना में निहित एक घनिष्ठ सहयोग हमारी अर्थव्यवस्थाओं, हमारे उद्योगों, हमारे शहरों और हमारे लोगों - वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों- के लिए असीमित अवसर पैदा करेगा। यही वह परिकल्पना है जिसकी हमें आकांक्षा है।

लेखक वाणिज्य और उद्योग मंत्री, भारत सरकार, विदेश व्यापार राज्य मंत्री, संयुक्त अरब अमीरात सरकार (यूएई) द्वारा संयुक्त रूप से लिखा गया लेख।

सू- दोकू क्र.131

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.130 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नशे का नश्तर

देश के विभिन्न हिस्सों में नशीले पदार्थों की बरामदगी में तेजी आना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। सबसे बड़ी चिंता यह है कि नशे की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी में सूचना व तकनीक के आधुनिक तौर-तरीकों का सहारा लिया जा रहा है, जिसके चलते यह जांच एजेंसियों की पकड़ में आसानी से नहीं आ पाती। इतना ही नहीं, कोरोना संकट के काल में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों का कारोबार कुख्यात इंटरनेट प्लेटफॉर्म डार्कनेट और समुद्री मार्ग के जरिये बढ़ा है। इसके लिये कूरियर सेवाओं के जरिये भी नशीले पदार्थों की आपूर्ति की जाती रही है। देश में हेरोइन की बरामदगी तीन गुना से अधिक हो गई है। जहां वर्ष 2017 में 2,146 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई थी, वहीं वर्ष 2021 में इसकी मात्रा 7,282 किलोग्राम तक जा पहुंची। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी का दावा है कि प्रभावी कार्रवाई के चलते नशीले पदार्थों की बरामदगी में तेजी आई है। हालांकि नशे के तस्कर कार्रवाई करने वाली एजेंसियों से बचने के लिये लगातार तस्करी के तौर-तरीके बदलते रहते हैं। इंटरनेट में काले धंधों के बदनाम इंटरनेट प्लेटफॉर्म डार्कनेट के जरिये नशे की तस्करी दुनियाभर के देशों के लिये चिंता बढ़ाने वाली है। विशेष सॉफ्टवेयरों का उपयोग करने वाले तस्करों तक पहुंच बनाना सहज नहीं हो पाता, जो जांच अधिकारियों के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। बताया जाता है कि डार्कनेट बाजार में नब्बे प्रतिशत बिक्री कथित तौर पर नशीले पदार्थों से संबंधित है। तस्कर आधुनिक तकनीकों का सहारा लेकर कानून-व्यवस्था की आंख में धूल झोंकने में कामयाब हो जाते हैं। ऐसे में सरकारी एजेंसियों को साइबर मोर्चे पर इस खेल पर अंकुश लगाने के लिये उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल करना होगा, क्योंकि आने वाले समय में इस चुनौती में विस्तार ही होगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहद ताकतवर माफियाओं को कुछ सरकारों की मदद इस समस्या को जटिल बनाने का ही काम करती है, जो साझा अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों से ही दूर की जा सकती है।

हाल ही के दिनों पंजाब व जम्मू कश्मीर में नशीले पदार्थों की तस्करी में परंपरागत तौर-तरीकों के साथ ही आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। बीएसएफ द्वारा बड़ी मात्रा में हेरोइन की बरामदगी इन आशंकाओं की पुष्टि करती है। अटारी-वाघा सीमा पर 532 किलोग्राम हेरोइन बरामद होने के दो साल बाद दिसंबर, 2021 में गुजरात तट पर एक पाकिस्तानी नाव से 77 किलोग्राम हेरोइन की जब्ती को सुरक्षा खतरे के मद्देनजर नार्को आतंकवाद पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। सीमा पर सख्ती के चलते आतंकवादियों को हथियार व गोला-बारूद जुटाने में मदद के लिये नशे की खेपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां तक कि बड़े पैमाने पर ड्रोनों का इस्तेमाल भारतीय क्षेत्रों में नशे की खेप पहुंचाने के लिये किया जा रहा है। पिछले साल सितंबर में गुजरात के कच्छ इलाके में मुन्दरा बंदरगाह पर करीब 3000 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी ने देश को चौंकाया था, जो बताता है कि नशे की तस्करी के लिये समुद्री मार्गों का भी लगातार इस्तेमाल हो रहा है। भारत को यह शिपमेंट अफगानिस्तान से ईरान के रास्ते भेजा गया, जो यह बताता है कि नई पीढ़ी को पथभ्रष्ट करने के लिये किस तरह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साजिशें हो रही हैं। यह सुनियोजित अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट की भागीदारी की ओर इशारा करता है। इस बड़ी साजिश की व्यापक जांच की जरूरत है ताकि नशे के कारोबार की बड़ी मछलियों पर नकेल कसी जा सके। एशिया ही नहीं, पूरी दुनिया में नशीले पदार्थों की आपूर्ति अफगानिस्तान से की जाती रही है। इसमें तालिबान के सत्ता में काबिज होने के बाद इजाफा बताया जा रहा है। दरअसल, आर्थिक संकट से जूझते अफगानिस्तान में नशीले पदार्थ आय का बड़ा जरिया बनते जा रहे हैं; जिसको लेकर पूरी दुनिया चिंतित है। इसी कारण अभी तक दुनिया के किसी देश ने अफगानिस्तान को मान्यता नहीं दी है। एनसीबी के अनुसार पिछले पांच वर्षों में भांग की बरामदगी भी दोगुनी हो गई है। लेकिन वक्त की प्राथमिकता सिंथेटिक नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाने की है।(आरएनएस)

शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर पांच लीटर लाहन नष्ट किया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रातः पुलिस सूत्र द्वारा सूचना मिली की एक व्यक्ति जुड्डो की तरफ से कच्ची शारब लेकर वेचने कालसी आ रहा है इस सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति रतन् लाल् को १० लीटर शराब खाम के साथ काली माता मंदिर के पास नीचे पुल से गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की गयी। पूछताछ पर रतनलाल ने बताया की यह मूल रुप से टिहरी गढ़वाल का रहने वाला हैं, कक्षा ८ तक पढ़ाई की हैं तथा कोई काम नही करता है। करीब डेड वर्ष पहले यह अपने बच्चो के साथ जुड्डो मे किराये के मकान जो की एकांत मे बना हैं मे रहने लगा, शुरु मे ध्याड़ी मजदूरी की किन्तु कम पैस मिलने के करण यह कच्ची शराब स्वम बनाकर बेचने लगा जिससे अच्छा मुनाफा होने लगा, शराब बेचने धीरे धीरे दूरस्थ् स्थानों पर भी जाने लगा, आज यह कालसी मे शराब बेचने जा रहा था कि पुलिस द्वारा इसको पकड़ लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 10 वाहनों के ई-चालान

रुद्रपुर (आरएनएस)। यातायात के नियमों की अनदेखी करने पर सीपीयू टीम ने दस वाहनों के ई–चालान कर १५ हजार रुपये संयोजन शुल्क वसूल किया। सीपीयू के एसआई सुरेश सिंह रावत एवं कैलाश पूलरी ने एनएच ७४ पर टीम के साथ चौकिंग अभियान चलाया। टीम ने यातायात के नियमों की अनदेखी करने पर १० लोगों का चालान काटा । तथा टीम ने १५ हज़ार रुपये का संयोजन शुल्क भी वसूल किया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो लोगों.. ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

लौट रहे थे। इस दौरान रास्ते में वह किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गये और उनकी व उनके एक बेटे की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि उनकी पत्नी व दूसरा बेटा गम्भीर रूप से घायल हो गये। सड़क हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस की सहायता से घायलों को बाजपुर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनो मृतकों के शव कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है। वहीं मौत की सूचना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

कार खाई में गिरी तीन शिक्षकों की मौत.. ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

घायल हुए है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस न एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया गया। कार सवार घायल दोनों शिक्षकों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी हालत चिन्ताजनक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि मृतकों में एक पुरूष व दो महिलाए शामिल है। जिनके शवों को एसडीआरएफ टीम द्वारा खाई से बाहर निकालकर मुख्य मार्ग तक पहुंचाकर जिला पुलिस को सुपुर्द किया है। घायलों के नाम अरुण कुमार पुत्र बाबूलाल निवासी सत्येंद्र नगर कोटद्वार व जयवीर पुत्र रघुवीर सिंह निवासी रतनपुर सुकरो कोटद्वार बताया जा रहा है। जबकि मृतकों की पहचान पूनम रावत, वंदना भंडारी व दीपक शाह के रूप में की गयी है।

हादसों का दिनः विभिन्न हादसों में 26 मरे ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

रात एक शादी समारोह से वापस बारातियों को लेकर लौट रही बुलेरो कार चंपावत मुख्यालय से 90 किलोमीटर दूर अनियंत्रित होकर सैकड़ों फीट गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा बीती रात 2.30 से 3 बजे के बीच पत्थर ढूंगा में हुआ। कार में कुल 16 लोग सवार थे जिनमें से 14 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य लोगों को रेस्क्यू कर जीवित अवस्था में बाहर निकाला गया है जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। दोनों घायलों की स्थिति अत्यंत ही गंभीर बनी हुई है।

इस दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है क्योंकि जीवित बचे लोगों की हालत इतनी गंभीर है कि वह कुछ भी बता पाने की स्थिति में अभी नहीं है। बारातियों से भरी यह बुलेरो कार टनकपुर से वापस आ रही थी कि रात को अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस व स्थानीय प्रशासन सुबह दुर्घटना स्थल पर पहुंचा और रेस्क्यू ऑपरेशन कर खाई से लोगों को निकाला गया इस दुर्घटना में 14 लोगों की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो चुकी थी जबकि दो लोग जीवित बाहर निकाले गए। पुलिस ने घायलों व मृतकों के परिजनों को दुर्घटना की सूचना दे दी गई है। तथा सभी शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना देर रात होने के कारण ज्यादा लोगों की जान जाने की बात कही गई है। दुर्घटना का कारण क्या रहा इसकी जांच की जा रही है। ड्राइवर को नींद की झपकी आने या उसके नशे में होने और तेज गति के कारण दुर्घटना होने की संभावनाएं जताई जा रही है।

स्वंय सहायता समूह की महिलाएं गुलाब की खेती के लिए जी जान से जुटी

संवाददाता

धारचूला। ग्राम पंचायत जयकोट की 7 महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं गुलाब की खेती से उत्तराखंड को महकाने के लिए जी जान से

जुटी हुई है। अच्छी खबर यह है कि जिले को अब बाहरी राज्य तथा जिलों से गुलाब के पौधे नहीं लाने पड़ेंगे। इसके लिए नर्सरी तैयार कर ली गई है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जयकोट गांव पहुंचकर इस कार्य में लगी महिलाओं का हौसला बढ़ाया और कहा कि यह हिमांचल जैसा रोजगार परक राज्य बनने की ओर एक छोटी सी पहल है। ग्राम पंचायत जयकोट की 7 महिला समूह से जुड़ी 63 से अधिक महिलाएं गुलाब की खेती में अपने रोजगार के भविष्य को सजा एवं संवार रही है। इस गांव में 4 साल पहले लगायी गये गुलाब के पौधे अब नर्सरी के लिए तैयार हो गए है। गुलाब की खेती को उत्तराखंड के हिमालय क्षेत्र में वरदान घोषित किया गया है। गुलाब जल 100 रूपये लीटर स्थानीय बाजार में हाथों हाथ बिक रहा है। गुलाब से तेल भी बनाया जाता है, जिसके लिए अभी तक इस गांव में कोई मशीन नहीं पहुंची है। यहां के लिए सबसे अच्छी खबर यह है कि जयकोट में गुलाब के पौंध के लिए जो नर्सरी बनाई जा रही है, वह आने वाले समय में इस जनपद के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने गुलाब की खेती के तकनीकी तथा अन्य परेशानियों के संदर्भ में इन लोगों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि वह इस संदर्भ में पिथौरागढ़ जाकर जिलाधिकारी डॉ आशीष चौहान से मुलाकात करेंगे। उनके सामने इस खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव रखा जायेगा। मर्तोलिया ने कहा कि धारचूला तथा मुनस्यारी के गांव को गुलाब की खेती के लिए विकसित किए जाने की आवश्यकता है। इस पर भी उत्तराखंड पादप बोर्ड से भी बातचीत करेंगे।

उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि विकासखंड स्तर पर इस तरह के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए कोई योजना नहीं है। इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

दिव्यांग क्रिकेट टीम की घोषणा

संवाददाता

देहरादून। दिव्यांग क्रिकेटर एसोसिएशन उत्तराखंड द्वारा आगामी मार्च माह में हिमाचल प्रदेश के साथ होने वाली टी-20 स्टैंडिंग क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु उत्तराखंड राज्य की टीम घोषित कर दी गई है जिसमें 20 खिलाड़ियों को जगह दी गई है जिसमें सभी खिलाड़ियों को बारी-बारी करके मौका दिया जाएगा।

एसोसिएशन के सचिव गिरीश पटवाल द्वारा बताया गया है कि इस टीम में कप्तान परमिल कुमार, उप कप्तान नीरज मौर्य, दीपक कुमार, विनोद ंपतं, राजेंद्र ठंरमजी, अंशुल कुमार, ऋषि कुमार, कुंवर सिंह चौहान, निर्मल गोस्वामी, अभिषेक साहू, गोविंद, कुलदीप, दिलीप, किशन सिंह, अनक पाल रावत, आशीष पाल परमार, नरेश कुमार, अनिल कुमार, अरविंद चौहान व योगेश कुमार शामिल है। जिन्हे बारी-बारी से मौका दिया जायेगा।

भैरव सेना के कार्यकर्ताओं का जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। भैंरव सेना कें कार्यकर्ताओं ने आज प्रदेश सचिव संजय पंवार के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर ऋषिकेश एम्स में हुए भर्ती घोटाले के विरोध में जोरदार नारेबाजी करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को जिलाधिकारी देहरादून के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया।

ज्ञापन के माध्यम से भैंरव सेना के केन्द्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने कहा कि प्रिंसिपल सिक्योरिटी एंड एलाइड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और टीडीएस मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड नामक दोनों ही आउटसोर्सिंग नियुक्तियां देने वाली कंपनियां एम्स के अधिकारियों के साथ मिलकर उत्तराखंड के युवाओं के साथ छल कर रहे हैं। जिसको भैरव सेना किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी। इस मौके पर उपस्थित करण शर्मा ने कहा की 800 में से 600 भर्तियां अकेले राजस्थान से की गई। जिसमें सूत्रों के मुताबिक प्रति व्यक्ति से मोटी रकम सिक्योरिटी के नाम पर वसूली गई है उन्होने कहा कि क्या एम्स जैसे प्रतिष्ठित सरकारी संस्थान का स्तर इतना नीचे गिर गए हैं गया है की युवाओं को नियुक्ति के नाम पर गुमराह कर ठगा जा रहा है। उत्तराखंड में इस तरह की घपलेबाजी उत्तराखंड वासी बर्दाश्त नहीं करेंगे और आज दिए गए ज्ञापन का संज्ञान एक माह के अंदर नहीं लिया गया तो संगठन को उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा और एम्स प्रशासन का घेराव किया जाएगा और यदि आवश्यकता पड़ी तो आमरण अनशन भी किया जाएगा साथ ही मांग की जाएगी कि दोनों ही आउटसोर्सिंग कंपनी को ब्लैक लिस्टेड करते हुए बर्खास्त किया जाए और पूरे प्रकरण में सम्मिलित अधिकारियों का भी स्थानांतरण किया जाए। इस अवसर पर विजय पंत, शुभम रावत, आदेश मैठाणी, संजय बिष्ट, प्रदीप जोशी इत्यादि उपस्थित रहे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

झारखंड पुलिस ने अभियान 'डबल बुल' के तहत 9 उग्रवादी गिरफ्तार किये

नई दिल्ली । नक्सल विरोधी अभियान में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता मिली। झारखंड पुलिस ने अभियान डबल बुल के तहत ६ उग्रवादी गिरफ्तार किये गए हैं। इसमें १० लाख का इनामी जोनल कमांडर बलराम उरांव, सब जोनल कमांडर दसरथ सिंह खेरवार, एरिया कमांडर मारकेश नागेसिया, शैलेश्वर वराव, मुकेश कोरवा, वीरेन कोरवा, शेलेन्द्र नागेसिया, संजय नागेसिया ओर शिला खेरवार शामिल हैं। नक्सलियों के विरुद्ध ८ फरवरी से ऑपरेशन डबल बुल के नाम से अंतर जिला संयुक्त वृहद अभियान

चलाया जा रहा था। सोमवार तक चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस की १० बार नक्सलियों के साथ भीषण मुठभेड़ हुई। अबतक पुलिस और नक्सलियों के बीच दर्जनों बार मुठभेड़ हुई। आधुनिक हथियारों के साथ इस अभियान में जुटे सुरक्षा बलों का हौसला कम नहीं हुआ है और लगातार सर्च अभियान जारी रखा गया है। ज्ञात हो कि १० दिनों पूर्व १५ लाख के इनामी नक्सली रविंद्र गंझू के दस्ते की बुलबुल के जंगल में भ्रमण करने की सूचना पर सर्च अभियान शुरू किया गया था। जिसके बाद से निरंतर अभियान जारी है। इस अभियान में जहां तीन जवान आईईडी की चपेट में आकर घायल हुए। वहीं पुलिस ने एक नक्सली को भी मार गिराने में सफलता पायी है। इधर सीआरपीएफ कमांडेंट प्रभात कुमार और एसपी अभियान की अगुवाई में अभियान चलाते हुए नक्सलियों पर नजर रखी जा रही है।

यूक्रेन-रूस तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमत 98 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा

नई दिल्ली। यूक्रेन और रूस विवाद के नए स्तर पर पहुंचने के कारण कच्चे तेल के दामों में मंगलवार तड़के २ डॉलर से भी ज्यादा की तेजी आ गई जिसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतें ९८ डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इसका कारण है कि रूस कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। बता दें कि, रूस ने यूक्रेन की सीमा के

निकट १,००,००० से अधिक सैनिकों को तैनात किया है, जिससे इस क्षेत्र में युद्ध की आशंका तेज हो गई है। रूस ने लगातार इस बात से इनकार किया है कि वह यूक्रेन पर हमले की योजना बना रहा है, लेकिन अमेरिका और उसके नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सहयोगियों का मानना है कि रूस युद्ध की ओर बढ़ रहा है तथा इसके लिए तैयारी कर रहा है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर की कीमत २.१० डॉलर या २.२ फीसदी की तेजी के साथ ९७.४९ डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। यह कीमत सितंबर २०१४ के बाद सबसे अधिक है। इससे पहले सोमवार की शाम ब्रेंट कच्चा तेल गिरावट के साथ ९३.५१ डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा था। साल २०२२ में कच्चे तेल के दामों में २० फीसदी से ज्यादा का उछाल आ चुका है।

10वीं, 12वीं कक्षाओं की ऑफलाइन बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट कल करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह १०वीं और १२वीं कक्षाओं के लिए सीबीएसई और कई अन्य बोर्ड की ऑफलाइन बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस एएम खानविल्कर, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सीटी रविकुमार की

खंडपीठ ने कहा कि याचिका की अग्रिम प्रति केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और अन्य संबंधित प्रतिवादियों के स्थायी वकील को दी जाए। याचिकाकर्ता अनुभा श्रीवास्तव सहाय की ओर से पेश वकील ने मामले को रखा और पीठ से इस पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। याचिका में सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्ड को अन्य माध्यमों से परीक्षा कराने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्ड ने १०वीं और १२वीं के लिए ऑफलाइन माध्यम से बोर्ड परीक्षाएं कराने का प्रस्ताव दिया है। सीबीएसई ने १०वीं और १२वीं कक्षा के लिए २६ अप्रैल से बोर्ड परीक्षाएं कराने का फैसला किया है।

590 नशीले इंजेक्शन सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर रात खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से 590 नशीले इंजेक्शन, हजारों की नगदी व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना रूद्रपुर पुलिस को सूचना मिली कि

❑हजारों की नगदी व तस्करी में प्रयुक्त बाइक बरामद

क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को बराङ कालोनी जाने वाले तिराहे के समीप बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 590 नशीले इंजेक्शन, 11250 रूपये की नगदी बरामद की। पूछताछ में उसने अपना नाम कपिल गोयल उर्फ विक्की उर्फ संकट पुत्र प्रेम चन्द्र गोयल निवासी इन्द्रा कालोनी गली रुद्रपुर बताया। बताया कि उक्त नशीले इन्जेक्शन को वह सरफराज निवासी बिलारी उ.प्र. से रुद्रपुर, ट्राजिट कैम्प में बेचने हेतु ट्राजिट कैम्प निवासी मोंटू सैनी के कहने पर खरीदकर लाया था। जिसकी अब पुलिस को तलाश है। बरामद इंजेक्शन की कीमत एक लाख रूपये बतायी जा रही है। बहरहाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

मारपीट में तीन नामजद

संवाददाता

देहरादून। नशेडी लडकी के घर में घुसने पर उसको भगाने का प्रयास में चोट लगने से पति-पत्नी सहित तीन पर मुकदमा दर्ज।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खाबडवाला निवासी व्यक्ति ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि धौलास निवासी विक्की, उसकी पत्नी व मां ने उसकी बेटी के साथ मारपीट कर नाक फैक्चर कर दिया। वहीं पुलिस के अनुसार घायल युवती रात्रि के समय घुमते हुए आरोपी के घर में घुस गयी जिसको बाहर निकालते समय उसके साथ हादसा हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भाई को पिटवाकर युवती प्रेमी संग फरार

संवाददाता

देहरादून। युवती द्वारा प्रेमी को बुलावाकर भाई की पिटाई करा प्रेमी संग फरार हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मिटठी बेरी निवासी व्यक्ति ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी बहन को डांटा तो उसने अपने प्रेमी सन्नी ढाखी को फोन कर दिया। जिसके बाद सन्नी अपने तीन चार साथियों के साथ उसके घर पहुंचा और उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया और उसकी बहन भी उसके साथ चली गयी तथा उसके पिता को भी उसकी बहन ने फोन कर बताया कि वह अब घर वापस नहीं आयेगी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांग्रेस को सता रहा है हार का डर

संवाददाता

देहरादून। भले ही विपक्ष के नेता व अन्य दलों द्वारा विधानसभा चुनाव में जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हो लेकिन जीत के इन दावों के बीच चुनाव परिणाम को लेकर वह कितने आशंकाओं से घिरे और डरे हुए हैं इसका जायजा भी उनके एवीएम पर उठाए जाने वाले सवालों से लगाया जा सकता है।

दरअसल ईवीएम को लेकर बहुत पहले से सवाल उठाए जाते रहे हैं। विपक्ष हर एक बड़े चुनाव के बाद ईवीएम में गड़बड़ी के मुद्दे को उठाता आया है इस बार भी विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप विपक्षी नेताओं द्वारा की जा रही है। जबकि सत्ता पक्ष द्वारा इसे अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने की बात कही जा रही है। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस भी अब तक कई बार ईवीएम में गड़बड़ी और सर्विस वोटों की गणना व बैलेट पेपर वोटों में गड़बड़ी के आरोप लगा रही है। पूर्व सीएम हरीश रावत भी ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगा चुके हैं। भाजपा नेताओं का इस बारे में कहना है कि कांग्रेस को पता है कि वह चुनाव हार चुकी है इसलिए वह अब अपनी हार का ठीकरा फोड़ने वाले मुद्दों को तलाश करने में जुटी हुई है। भाजपा नेताओं का कहना है कि भाजपा एक बार फिर बड़े बहुमत के साथ चुनाव जीतने जा रही है। मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि 10 मार्च को होने वाली मतगणना के बाद कांग्रेस और आप का सपना टूटने वाला है ऐसे में वह पहले से तैयारी कर रहे हैं कि अपनी हार का ठीकरा किसके सर फोड़ा जाए। भाजपा नेताओं का कहना है कि ईवीएम में गड़बड़ी की बात हमेशा कांग्रेस द्वारा

ईवीएम में गड़बड़ी हार की जिम्मेवारी से बचने का तरीकाः भाजपा

ही क्यों की जाती है भाजपा ने तो किसी भी चुनाव में हारने के बाद कभी यह नहीं कहा कि उसे ईवीएम की गड़बड़ी ने हराया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि ईवीएम में भला कैसे गड़बड़ी हो सकती है। मतदान से पूर्व सभी ईवीएम की बारीकी से जांच होती है। तथा मतदान के बाद सील की गई ईवीएम की मशीनों को कड़े सुरक्षा के पहरे पर रखा जाता है। निर्वाचन आयोग द्वारा इस बात को सुनिश्चित करने की भी व्यवस्था की गई है कि सभी मतदाता यह जान सकते हैं कि उसका वोट सही पड़ा है या नहीं फिर भला कैसे कोई गड़बड़ी हो सकती है?

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पूर्व समय में ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत को लेकर सभी दलों से कहा गया था कि कोई नेता यह सिद्ध करके दिखाएं कि इस तरह गड़बड़ी की जा सकती है। लेकिन किसी ने भी इस चुनौती को स्वीकार नहीं किया था। ईवीएम के सर अपनी हार की जिम्मेवारी डालकर नेता अपनी हार स्वीकार करने से बचना चाहते हैं इसलिए बार-बार ईवीएम में गड़बड़ी की बात कही जाती है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर दो की मौत

देहरादून (संवाददाता)। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्यनगर हरिद्वार निवासी अश्विनी शर्मा ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई आदित्य शर्मा अपने मित्र आलोक शर्मा के साथ मोटरसाईकिल से दून की तरफ जा रहे थे जब वह लालतप्पड के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिनको जौलीग्रान्ट हास्पिटल ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।